il foKfIr

cht vul/kku fun"kky; e 02-03-2015 dk cgn df'k ey dk vk;ktu

Hkkjrh; df'k vul/kku ifj'kn }kjk lpkfyr cht vul/kku fun"kky;] d"kekj] eÅ e fnukd 02 ekp 2015 dk ^^x.koÙkk;Dr cht }kjk [kk| lj{kk** fo'k; ij ,d fnolh; cgn fdlku ey dk vk;ktu fd;k x;kA ey d mn?kkVu volj ij ifj;ktuk fun"kd Mkå ,l- jktUn ilkn u lHkh vfrfFk;k ,o d'kd Hkkb;k dk Lokxr fd;k rFkk crk;k fd cht mRiknu dk viukdj fdlku Hkkb vf/kd l vf/kd ykHk dek ldr g rFkk n"k e df'k mRiknu c<ku e viuk egRoi.k ;kxnku dj ldr gA bUgku dgk fd vkt gekj n"k e itud cht dk mRiknu cM Lrj ij gkrk g fQj Hkh cht ifjoru dh nj bfPNr Lrj l dkQh de gA bld fy, fdlku cht mRiknu dh rduhd viukdj Lo; gh vPNk cht ink djd Qlyk dh mit c<k ldr g ftld fy, tkudkjh ,o if"k{k.k fun"kky; l ikIr fd;k tk ldrk gA bUgku x.koRrk;Dr chtk d egRo d lkFk&lkFk fun"kky; d miyfC/k;k ij Hkh ppk dhA ey d volj ij x.koÙkk;Dr cht ink dju oky fdlkuk Jh jke le> flg] vktex<] Jh ukxUn flg] cfy;k ,o t; idk"k flg] eÅ dk lEekfur fd;k x;kA

fdlku ey e e[; vfrfFk Mk- xkre dYy] Hkrio mi egkfun"kd ¼ckxokuh½ u ey dk mn?kkVu djr g, iokpy d fdlkuk l lCth ,o Qy mRiknu ij fo"k'k tkj fn;kA mUgku cht vul/kku fun"kky; d eÅ e LFkkiuk l lEcfU/kr Lej.k l ydj fun"kky; d miyfC/k;k ij ppk dh rFkk fun"kky; d df'k ilkj dk;k dh Hkjh&Hkjh i"klk dhA mUgku d'kdk l vkxg fd;k fd og NkV&NkV leg cukdj lCth d [krh d lkFk&lkFk foi.ku dk dk; Hkh Lo; dj d Hkjij ykHk vftr dj ldr gA d'kd leg d ykHk ij ppk djr g, mUgku crk;k fd bld }kjk vko";drk vu:i NkV&NkV e"khuk dk Hkh Ø; fd;k tk ldrk gA jk'Vh; df'k mi;kxh l{etho C;jk] eÅ d fun"kd Mk- ,-d- "kek u ey dk lEckf/kr djr g, dgk dh iokpy e df'k mRiknu o mRikndrk c<ku d fy, x.koÙkk;Dr cht d vf/kdkf/kd mRiknu ,o e l{etho dh df'k e

mi;kfxrk ij cy fn;kA bUgku fdlkuk dk 0;kolkf;d [krh viuku ij Hkh tkj fn;k ftlll ykHk e of) dh tk ldA fof"k'B vfrfFk Mk- uiky flg] mi fun"kd] mÙkj in"k jkT; cht iek.khdj.k lLFkk] eÅ u cht iek.khdj.k d ckj e foLrkj l tkudkjh nh rFkk x.koÙkk;Dr chtk d mRiknu ij fdlkuk dk T;knk l T;knk :fp yu d fy, ikRlkfgr fd;k o viu fopkj j[kA bl volj ij df'k eyk Lekfjdk d :i e ^^ilkj if=dk** dk foekpu fd;k x;kA ilkj if=dk d lkFk&lkFk d'kdk dk fofHkUu rduhfd;k ij ilkj ip Hkh miyC/k djk;k x;kA

bl ey e jk'Vh; Lrj d vud ljdkjh ,o v)ljdkjh lLFkkuk] df'k foKku dUnk] Qke e"khujh cuku okyh dEifu;k] cd] df'k foHkkx ,o cgjk'Vh; cht dEifu;k u Hkkx fy;kA ifrdy ekle d ckotn ey e yxHkx 3000 l vf/kd fdlkuk u ey e Hkkx ydj fofHkUu lLFkkuk o foHkkxk }kjk yxk, x, LVkyk dk voykdu fd;k rFkk df'k] enk ijh{k.k] cht vdj.k ,o i"kikyu lc/kh tkudkjh gkfly dh rFkk e"khuk dh tedj [kjhnnkjh dhA rduhdh l= e fo'k; fo"k'kKk }kjk fofHkUu Qlyk dh mUur [krh d ckj e fdlkuk dk tkudkjh nh xbA fdlkuk }kjk mBk, x, i"uk dk lek/kku Hkh fo'k; fo"k'kKk }kjk fd;k x;kA fofHkUu cdk d ifrfuf/k;k }kjk fdlkuk dk feyu oky dtk rFkk vU; lfo/kkvk dh tkudkjh fdlkuk dk nh xbA fdlku Hkkb;k u i{k= Hke.k fd;k rFkk mUur"khy rjhd l cht mRiknu fof/k;k dh tkudkjh gkfly dhA ey dk e[; vkd'k.k VDVj] df'k ;=k] cht&[kkn dEifu;k ,o ljdkjh foHkkx d LVky jgA df'k ey e cMh l[;k e efgyk fdlkuk u Hkh Hkkx fy;kA ixfr"khy fdlkuk u Hkh lLFkku d dk;Øe dh ljkguk dh ,o vkj vf/kd l[;k e if"k{k.k dk;Øe pyku dh ekx dhA ey e 30 l vf/kd LVky yxkb xb FkhA ey d lekiu lekjkg e mRd'V in"kfu;k dk ijLdr fd;k x;kA ljdkjh ox e Hkkjrh; lCth vul/kku lLFkku u iFke LFkku ikIr fd;k ,o xj ljdkjh ox e “kHke ,xk lUVj u iFke LFkku ikIr fd;kA Mkå vjfoUn ukFk flg] ofj'B oKkfud ¼dhV foKku½ u fdlkuk dk gkfnd /kU;okn fd;k ,o mul lLFkku d if"k{k.k ,o ilkj dk;Øe e c<&p<dj fgLlk yu dk fuonu fd;kA mUgku fdlku ey dk lQy cuku d fy, ljdkjh] xj ljdkjh ,o futh lLFkkuk d ifrfuf/k;k dk Hkh gkfnd vfHkuUnu ,o /kU;okn fn;kA

dk;Øe dk lpkyu l;Dr :i l Mkå Vh-,u- frokjh] ofj'B oKkfud ¼ikni dkf;dh½ ,o Mkå vjfoUn ukFk flg] ofj'B oKkfud o l;ktd u fd;kA

ey e Mk- fnu"k dekj vxoky] Mk- ,l- uVjktu] Mk- Vh-,u- frokjh] Mk- ,-d- flUgk] Mk- jktho dekj flg] Mk- xkfoUn iky] Mk- mn; Hkk'dj] Mk- me"k dkEcy] Mk- jk?koUn] Mk- pUn flg] Mk- enu dekj Mk- je"k d-oh- Mk- gjno jke ,o Jh vt; dekj lkuh vkfn mifLFkr FkA

¼,l- jktUn iIkn½
ifj;ktuk fun"kd

मऊ | आज का दिन | 1707 में औरंगजेब के निधन के बाद बहादुर शाह प्रथम ने तख्त संभाल

कुशमौर स्थित बीज अनुसंधान निदेशालय में आयोजित मेले में तीन किसान सम्मानित

फल-सब्जी उत्पादन पर जोर दें किसान

मऊ | निज संवाददाता

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से संचालित बीज अनुसंधान निदेशालय कुशमौर में सोमवार को किसान मेले का आयोजन किया गया। गुणवत्तायुक्त बीज पैदा करने वाले किसानों में राम समुझ सिंह आजमगढ़, नागेन्द्र सिंह बलिया और जय प्रकाश सिंह मऊ को सम्मानित किया गया।

किसान मेले में मुख्य अतिथि भूतपूर्व उप महानिदेशक बागवानी डॉ.गौतम कल्लू ने मेले का उद्घाटन करते हुए पूर्वांचल के किसानों से सब्जी और फल उत्पादन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने बीज अनुसंधान निदेशालय के में स्थापना से सम्बन्धित स्मरण से लेकर निदेशालय के उपलब्धियों पर चर्चा की। उन्होंने कृषकों से आग्रह किया कि वह छोटे-छोटे समूह बनाकर सब्जी के खेती के साथ-साथ विपणन का कार्य भी स्वयं करके भरपूर लाभ अर्जित कर सकते हैं।

परियोजना निदेशक डॉ.एस.राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि बीज उत्पादन को अपनाकर किसान अधिक से अधिक लाभ कमा सकते हैं। कहा कि किसान बीज उत्पादन की तकनीक अपनाकर स्वयं ही अच्छा बीज पैदा करके फसलों की उपज बढ़ा सकते हैं जिसके लिए जानकारी एवं प्रशिक्षण निदेशालय से प्राप्त की जा सकती है।

राष्ट्रीय कृषि उपयोगी सूक्ष्मजीव ब्यूरो के निदेशक डा.एके शर्मा ने पूर्वांचल में कृषि उत्पादन व उत्पादकता बढ़ाने के लिए गुणवत्तायुक्त बीज के अधिकाधिक उत्पादन एवं में सूक्ष्मजीव की कृषि में उपयोगिता पर बल दिया। इन्होंने किसानों को व्यावसायिक खेती अपनाने पर भी जोर दिया जिससे लाभ में वृद्धि की जा सके। कृषि मेला स्मारिका के रूप में 'प्रसार पत्रिका' का विमोचन किया गया। मेले में राष्ट्रीय स्तर के अनेक सरकारी एवं अर्द्धसरकारी संस्थानों, कृषि विज्ञान केन्द्रों, फार्म मशीनरी बनाने वाली कम्पनियों, बैंक, कृषि विभाग एवं बहुराष्ट्रीय बीज कम्पनियों ने भाग लिया। प्रतिकूल मौसम के बावजूद मेले में लगभग तीन हजार से अधिक किसानों ने मेले में भाग लेकर विभिन्न संस्थानों व विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन किया।

मेले में डा.दिनेश कुमार अग्रवाल, डा. एस.नटराजन, डा.एके सिन्हा, डा.राजीव कुमार सिंह, डा.गोविन्द पाल, डा.उदय भाष्कर, डा.उमेश काम्बले, डा.राघवेन्द्र, डा.चन्दू सिंह, डा.मदन कुमार डा.रमेश, डा. हरदेव राम व अजय कुमार सोनी आदि उपस्थित रहे। उद्घाटन अवसर पर परियोजना निदेशक डॉ.एस.राजेन्द्र प्रसाद ने आगंतुकों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन संयुक्त रूप से डॉ टीएन तिवारी, डॉ.अरविन्द नाथ सिंह ने किया।

किसान मेला में प्रगतिशील किसान को सम्मानित करते पूर्व उपमहानिदेशक बागवानी डॉ. गौतम कल्लू और स्टाल में जानकारी लेते लोग ● हिन्दुस्तान

किसान मेला समूह बना करें सब्जी की खेती : डॉ. कल्लू

मऊ : भूतपूर्व उपमहानिदेशक बागवानी डा. गौतम कल्लू ने कहा कि पूर्वांचल के किसान सब्जी एवं फल उत्पादन कर अपनी किस्मत बदल सकते हैं। यह व्यावसायिक कार्य वे छोटे-छोटे समूह बनाकर कर सकते हैं। सब्जी की खेती के साथ-साथ वे विपणन का कार्य भी स्वयं कर के भरपूर लाभ अर्जित कर सकते हैं। वह सोमवार को नगर के कुशमौर स्थित बीज अनुसंधान निदेशालय में आयोजित किसान मेले का उद्घाटन करने के बाद किसानों के बीच बोल रहे थे।

बीज अनुसंधान निदेशालय कुशमौर में आयोजित किसान मेले में शामिल किसान।

उन्होंने कृषक समूह के लाभ पर चर्चा करते हुए बताया कि इसके द्वारा आवश्यकता अनुरूप छोटे-छोटे मशीनों का भी क्रय किया जा सकता है। निदेशालय के परियोजना निदेशक डा. एस राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि बीज उत्पादन को अपनाकर किसान भाई अधिक से अधिक लाभ पा सकते हैं तथा देश में कृषि उत्पादन बढ़ाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आज हमारे देश में प्रजनक बीज का उत्पादन बड़े स्तर पर होता है फिर भी बीज परिवर्तन की दर इच्छित स्तर से काफी कम है। इसके लिए किसान बीज उत्पादन की तकनीक अपनाकर स्वयं ही अच्छा बीज पैदा करके फसलों की उपज बढ़ा सकते हैं। जिसके लिए जानकारी एवं प्रशिक्षण निदेशालय से प्राप्त किया जा सकता है। इन्होंने गुणवत्ता युक्त बीजों के महत्व के साथ-साथ निदेशालय के उपलब्धियों पर भी चर्चा की। मेले के अवसर पर गुणवत्ता युक्त बीज पैदा करने वाले किसानों श्री राम समुझ सिंह आजमगढ़, श्री नागेंद्र सिंह बलिया एवं जय प्रकाश सिंह, मऊ को सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय कृषि उपयोगी सूक्ष्मजीव ब्यूरो के निदेशक डा. एके शर्मा ने पूर्वांचल में कृषि उत्पादन व उत्पादकता बढ़ाने के लिए गुणवत्ता युक्त बीज के अधिकाधिक उत्पादन एवं में सूक्ष्मजीव की कृषि में उपयोगिता पर बल दिया। इन्होंने किसानों को व्यावसायिक खेती अपनाने पर भी जोर दिया जिससे लाभ में वृद्धि की जा सके। विशिष्ट अतिथि डा. नेपाल सिंह, उपनिदेशक उत्तर प्रदेश राज्य बीज प्रमाणीकरण संस्था ने बीज प्रमाणीकरण के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

स्मारिका का हुआ विमोचन- इस अवसर पर कृषि मेला स्मारिका के रूप में प्रसार पत्रिका का विमोचन किया गया। प्रसार पत्रिका के साथ साथ कृषकों को विभिन्न तकनीकियों पर प्रसार पर्चे भी उपलब्ध कराया गया। इस मेले में राष्ट्रीय स्तर के अनेक सरकारी एवं अर्द्धसरकारी संस्थानों, कृषि विज्ञान केंद्रों फार्म मशीनरी बनाने वाली कंपनियों, बैंक, कृषि विभाग एवं बहुराष्ट्रीय बीज कंपनियों ने भाग लिया।

प्रतिकूल मौसम के बावजूद मेले में लगभग 3000 से अधिक किसानों ने मेले में भाग लेकर विभिन्न संस्थानों व विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन किया तथा मशीनों की जमकर खरीदारी की। तकनीकी सत्र में विषय विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न फसलों की उन्नत खेती के बारे में किसानों को जानकारी दी गई। किसानों द्वारा उठाए गए प्रश्नों का समाधान भी विषय विशेषज्ञों द्वारा किया गया। विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधियों द्वारा किसानों को मिलने वाले कर्जों तथा अन्य सुविधाओं की जानकारी किसानों को दी गई।

किसान भाईयों ने प्रक्षेत्र भ्रमण किया तथा उन्नतशील तरीके से बीज उत्पादन विधियों की जानकारी हासिल की। मेले का मुख्य आकर्षण ट्रैक्टर, कृषि यंत्रों, बीज खाद कंपनियों एवं सरकारी विभाग के स्टाल रहे। कृषि मेले में बड़ी संख्या में महिला किसानों ने भी भाग लिया।

लगे 300 से अधिक स्टाल

मेले में 30 से अधिक स्टाल लगाई गई थी। मेले के समापन समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शनियों को पुरस्कृत किया गया। सरकारी वर्ग में भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया एवं गैर सरकारी वर्ग में शुभम एग्रो सेंटर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। डा. अरविंद नाथ सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक बीज विज्ञान ने किसानों का हार्दिक धन्यवाद किया एवं उनसे संस्थान के प्रशिक्षण एवं प्रसार कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का निवेदन किया। उन्होंने किसान मेले को सफल बनाने के लिए सरकारी, गैर सरकारी एवं निजी संस्थानों के प्रतिनिधियों का भी अभिनंदन एवं धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन संयुक्त रूप से डा. टीएन तिवारी, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं डा. अरविंद नाथ सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक व संयोजक ने किया। मेले में डा. दिनेश कुमार अग्रवाल, डा. एन नटराजन, डा. टीएन तिवारी, डा. एके सिंह, डा. राजीव कुमार सिंह, डा. गोविंद पाल, डा. उदय भास्कर, डा. उमेश ठाकरे, डा. रावदे, डा. चंद्र सिंह, डा. गजेन्द्र कुमार, डा. रमेश रेड्डी, डा. हरदेव राम एवं श्री अजय कुमार सोनी आदि उपस्थित थे।

बीज अनुसंधान निदेशालय में कुशमौर में आयोजित किसान मेले में स्टाल पर जानकारी लेते किसान।

कुशमौर में आयोजित मेले में पुस्तक का विमोचन करते निदेशक द्वय व अन्य।

अमर उजाला

किसान छोटे समूह बना कर विपणन पर दें ध्यान

बीज अनुसंधान निदेशालय कुशमौर में किसानों को मिले सुझाव

अमर उजाला ब्यूरो

मऊ। बीज अनुसंधान निदेशालय कुशमौर में सोमवार को खाद्य सुरक्षा विषय पर किसान मेले का आयोजन हुआ। जिसमें किसानों को विपणन के लिए आत्मनिर्भर बनने के लिए सलाह दी गई। किसानों को गुणवत्तायुक्त बीज के उत्पादन के लिए सुझाया और प्रमाणीकरण की जानकारी दी।

किसान मेले में राष्ट्रीय स्तर के अनेक सरकारी एवं अर्द्धसरकारी संस्थानों, कृषि विज्ञान केंद्रों, फार्म मशीनरी बनाने वाली कंपनियों, बैंक , कृषि विभाग एवं बहुराष्ट्रीय बीज कंपनियों ने भाग लिया। अतिथियों ने सभी स्टालों का निरीक्षण किया। मेले के दौरान किसानों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डा.गौतम कल्लू ने कहा कि पूर्वांचल के किसानों ने सब्जी एवं फल उत्पादन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने बीज अनुसंधान निदेशालय मऊ में स्थापना से संबधी स्मरण से लेकर निदेशालय के उपब्धियों पर चर्चा की। कहा कि किसान स्वयं छोटे छोटे समूह बनाकर सब्जी के खेती के साथ साथ विपणन का कार्य भी करें। विशिष्ट अतिथी डा.नेपाल सिंह ने बीज प्रमाणीकरण के बारे में विस्तार से जानकारी दी। गुणवत्तायुक्त बीजों के उत्पादन पर किसानों को ज्यादा से ज्यादा रुचि लेने के लिए प्रोत्साहित किया। मेले को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय कृषि सूक्ष्मजीव ब्यूरो के निदेशक डा.एके

बीज अनुसंधान निदेशालय कुशमौर पर लगे किसान मेले में प्रगतिशील किसान को सम्मानित करते अतिथिगण।

शर्मा ने पूर्वांचल में कृषि उत्पादन व उत्पादकता बढ़ाने के लिए गुणवत्तायुक्त बीज के अधिकाधिक उत्पादन एवं सूक्ष्मजीव की कृषि में उपयोगिता के बारे में विस्तार से बताया। परियोजना निदेशक डा. एस राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि किसान बीज उत्पादन को अपनाकर अधिक से अधिक लाभ कमा सकते हैं। वे देश में कृषि उत्पादन बढ़ाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान कर सकते हैं। गुणवत्तायुक्त बीज पैदा करने वाले किसान रामसमुझ सिंह आजमगढ़, नागेंद्र सिंह, बलिया और जयप्रकाश सिंह मऊ को सम्मानित भी किया गया। वहीं, कृषि मेला स्मारिका के रूप में प्रसार पत्रिका का विमोचन किया गया।

मेले के समापन समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शनियों को पुरस्कृत किया गया। इसमें सरकारी वर्ग में भारतीय सब्जी अनुसंधान को प्रथम स्थान, गैर सरकारी वर्ग में शुभम एग्री सेंटर को प्रथम स्थान हासिल हुआ। मेले में अतिथि के रूप में भूतपूर्व उप महानिदेशक बागवानी मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डा. नेपाल सिंह उपनिदेशक उत्तर प्रदेश राज्य बीज प्रमाणीकरण संस्था रहे। अध्यक्षता परियोजना निदेशक डा. एस राजेंद्र प्रसाद ने की। कार्यक्रम का संचालन संयुक्त रुप से डा.टीएन तिवारी, डा.अरविंद नाथ सिंह ने किया।